

जूझती जूण

मोहम्मद सदीक

प्रकाशक सलमा प्रकाशन वीकानेर प्रकाशक : सलमा प्रकाशन वीकानेर

पैलो संस्करण : घ्रागस्त १६७६

अ मोहम्मद सदीक

प्राप्ति स्थान :
द्वारा श्री जमालदां भाटी
शकर भवन के पीछे
रासी वाजार

(C) लेखक के सर्वाधिकार सरक्षित है

मोल: १३) रिविधा

मुद्रकः नेशनल श्रार्ट प्रेस, बीकानर

JOOJHTI JOON

(A Collection of Poems in Rajasthani)

MOHAMMED SADIQ Salma Prakashan BIKANER Price 13.00

हो सबद

आपरै आपै रै खातर मिनखजूरा रो जूमगो सूरज रै साथै - साथै अगतो आयो है अर अगतो रैसी ।

समता समानता अर सुतंतरता रो परखिणियो पारखी मिनख जुगां - जुगां स्यूं बीवन रा नृंवा अर अनुठा अनुभव ले'र सूगली सगती रै सूगले सरोत ने सदा चुनोती दी है बकारियो है अर नई दिसा ली है।

मायड़ भापा रो पाठक होगारे साथ-साथ दूजी भापावां ऊं म्हारो आंतरो कोनी। अरबी, उदूं, हिन्दी अर अप्रेजी भाषावां भी आच्छी अंगचंग लाग्योडी है।

दस अर बत्तीस वियाळीस पतकड़ देखणे रै बाद म्हारी कवितावां रो पैलो संकलन "जूकती जूए।" में म्हारै आदर जोग अर लाडले पाठकां रै हाथां में सूंपर्यो है।

लारले बीस पच्चीस बरसां में साथी कवियों अर वायरों रो सम्पर्क म्हारी प्रेरसा से मूल सरोत र्यो है। बारो अस्से आस्त्र है।

में हूं सोई म्हारी कविता है म्हारी कविता है सोई मैं हूँ।

बीकानेर : अगस्त १६७६.

विगत

ŧ	धांकस रैं की बीज ने	ų	२४	साममामग	५६
₹	ग्रीच ही ग्राच	5	२६	वैठी-वैटी बीसी यूं	3,8
\$	चेत मानसा चेत	* *	२७	हम्मै कैवो किर-किर माई६०	
¥	बरियान री बाराद	ξX	१ २८	सुळ सुळिय ो	६२
¥	धरती रा लाडेसर	१७	₹€	बाड़ शेत ने खाद है	ę٧
Ę	मांयलो अमूजो	२१	₹0	घन्तस उठ बील्यो	६६
હ	गूग री धून्ट	२३	₹₹	सप्पमपाट	ę=
5	कग मत/जाग	२४	३२	बीज बाँभड़ो	90
3	घरती धकेन	२७	33	भाजादी	ত ই
१०	गुवाड़ रो जायो	३०	३४	दुख री लागी दू गा	৬ঽ
22	होकड़ा उतार	३ १	₹%	धमलै राफूम	৬ৼ
१२	चौफर	44	35	सावरयेरी सारगी	৩৩
१३	सीख	३४	30	रव राखें सो रैमी राम	৬=
\$ &	टिल्लो	३ %	3=	जोह्यू सख ग्रनेक	50
१ ५	लोकराज	3 €	35	मुंबी क्षर्य	=3
१६	मोसमी क्रकड़ा	३७	80	ू जीमो वेटा रात अधारी	5 8
१७	यडी करो	३६	88	मन रो मान सरोवर	= 5
ξs	श्रो कुश	४०	88	मन मछनी	- -
१६	आपैरी अपणास	४२	λź.	कामग्री	σ£
२०	मर्ज जूफलो पड़सी	४६	88	हक री कृक	٤3
२१	तिसारी कूल	38	४४	कसूम्बा	٤३
२२	म्हारा लाडला	4 ?	४६	सीरठा	٤x
२३	सूनै-सूनै पीजरै रा	४३	80	मुक्तक	Ę
२४	भरू टिया	ሂሂ	¥5	नूं थीर	१००

म्रांकस रै बीं बीज ने

मक्त दोपारी में किल किलाते ताबड़िये स्य तातै तवै सी तपती सडकौं पर सिकतो/सिसकतो भुळसीजतो/विलखतो उघाडो सरीर पर्गा-उभागों भागती-भटकती मिनखाचारो ठौड़-ठौड़ टूट्योड़ो मितख-जमारो थोप्योड़ी थोथी जुरा रै इस पार स्यूं उस पार सड़क रै नीचलै पासै स्युं ऊपर नै आए। री घार नीची धूरा पोची जुरा रो घरगी घराय आपरी

कंवळी-कुवारी काँधी पर जुबो जुरा रो नसड़ी रेड़तो

हाँफतो हेरतो पसीने रै वैवने बा'ला में इवता चार पोर बारने

निकळचोड़ी जीभ स्यूं टपकती राळाँ हाळो मुंडो ले'र

रवाना होग्यो । माथै अपर लादै ज्यै लदयोड़ा लोग नित नुवों ऊगतो

अरातो बोझ लेर चढराो सामी छाती करडै चढाव पर इसा जीव ने

हाँकिं सियाँ रे हार्यों में होवं रेसमी रास नाथ नै नचावती लाम्बी-आली कामड़ी कुठौड़ मारण नै होवै और कन्नै ठोकरौ कामडीरी करडी मार खावतो-खावतो

रास रालगो-लग लागता भटकौ स्यू छीजते चिरीजते जुमती जुए/६

नाक स्यूँ वंवतो लोई सींचतो रैवै आँकस रै हीं हीज नै बीं दिन ताँई जद होय घरा। रिसारा। रीस नैरसाय माँय लैंचलैं हाळी आकरी आँच नै जीवती राख हखालसी आपरो आपो देखताँ-देखताँ सगळी साँकळाँ ने तोड पूगसी सागी ठौड़ जठै-- नाछी जैना चिरी जै ईंरी नाक रास रै अएते भटका स्यू जठै - कामड़ी रो कारोबार कफनार दफना दियो होसी।

भ्रॉच ही भ्राँच

सो' भूठ पए एक साँच है मिनख री देह में आंच ही आंच है। द्रगा आँच री मंजोरी साँच इस साँच नै संजीशिया वेत बीजता किसान सडक कटता मजर जुती गाँठता मोची लो क्रटता लुवार अर गळी बुवारती मेतराणियाँ पेलडे मिनख ऊँ लेर आज रै मिनख तांई रो , ओटोज्योडी आँच रो मंड बोलतो इतिहास है। आँच, उकेरता जाओ देखता जाओ जठे-कठे जद-कट हवा रो फटकारो लाग्यो जुभती जुए/=

इसा आँच आपरो आपो दिखायो है फ्रांस में रूस में

चीन में वियतनाम में

ई'-प्रचिरो ई'घरा

न-लकडी है

न-कोयलो

न-तेल है

म-पेट्रोल

इए। आँचनै चायजै

जीवती रेग खातर-खावरा ने-मिनख

आँचनै घणी संजोरी करिएया

भंवती हवा राभनूळिया

भगकतै-तपते भावाँरा भंडार-अखुट

एक-एक चिएागारी नै ले' र

उडाबै, उछाळे कर देवे चौगुराी

बिवेर देवे

उतराद-दिखगाद

अग्रा-माथ्रे ए

ऊपर-नोचै आसै-पासै

कोई नई वैंचै

न्यावड्रौ में

काचा-पाका ट्टै-फूटै घिर घना हाथां में आय ठोकरी-ठीकरी होय ठौड ठिकासी लागी आ-आंच आपरो काम पूरो होयाँ पाछ साँचनै सामी ल्यारा खातर मिनखने प्रारा देवे तपा-तपा सगर्ळाने सरीसा करनाखे फेर अगै इस्मी धरती पर एक सरीसा मिनस्व एक सरीसा विसवास

एक सरोसो समाज।

п

जूमती जूए/१•

चेत मानखा चेत

हित घोळे भौवळा रात ने रातींदो बांच्यां होतां सोतां पास पाडोसी रो पराई आंग्यां स्यू देत्तस्मी मजबूरी। जीवती मान्ती गिट्टगा रा आदेश । मिनगरी औ हरावमी स्व सिर पर ऊगता गीग सप-उपाती दोनही जीम बदयोटा नु बळ-दळतो राती-राती धौरवा । देगी, धागीउँ धाहबी रै हायां में भूग मिटावए गातर विस बुसावरा गावर पार गेड रो है या ग्हारं क्षेत्र रो

ईं वैलही रो है या बीं वैलडी रो ई'रे मैले कुचैले हायां में गोल महोल मो मतीरो है या मिनख री माथी। सूरा-ठील री ठरकारा मुक्की री मार मुक्की ठोला लागतां लागतां पारा प्राग स्याग आपरो आपो विसराय परसीज सी घायोडे रै बाजोट पर बोज बिखरता फिरसी धरती मार्थ वंस रै वचाव खातर। गिरी अर पागी भुखें री भुख तिसै री तिस मिटावता ही आया है खुरड़ो अर खाओ घुरड़ो तीखें तीखें नूवां ऊं

घुरड़ों तीखें तीखें नूँ बटका भरो 'लाम्बे मोटे दांतां क गिरी पींचता जाओ आप-आपरी काया

जूमती जूए/१२

सींबता जाओ सींबता जाओ पोबो जीवो अर मटवा करो गुपरोहो या गोपरी पासी वियां पाछ निरी गटकायां पाछ गावशियो फॅरसी रुखती फिरसी रेत में वगु बाबोई सेत में भाष्यां में बोटकों में तिपळिया गामी रात रा गेजहा सेतरा मेत जनदता देग र वेषां रो वेलां वांमही होएरो टर इस मानर मानसा पेत बेत-प्रापरं मेत गातर धेत-आगरी वेत गातर भेत आपरे पळ गातर।

m

बरियान री बाराद्री

आव, म्हारै कन्नै आव आपां वातां करां थु - थु -यारा कपड़ा ! घोळा घवक है। ठाहै. मन्नै सो दीसै । नैडो अगडर मव म्हारै कपड़ां रो मैल थारे कपडां पर नई लागै ला थारी जूएारी जूएा ही मेल-पूरूफ है। सूराएकर तूं हवारे सरीदै खड़चो ही फेर देख म्हारी तावड़े तपी ज्योड़ी देही स्यू टपकते पसीने री बुंदां मे किती सगती है थारे बोसकी रे चोळे पर लाग्योडो अन्तर

जूमती जूए/१४

महार वैवर्त पमने स धाकभरी भभक स्यू भागजा सी इतरी सो भेद है गारै बर म्हारे में धारा राष्ट्र धरी तेल बळी म्हारा पाका पग मारत प्रमे गुरदरी सहक री रहक काड नागै कर नार्य सरोसी मा सरक यारे टायरां ने समै स्त्रु पैली पाड नागै पग्रा-महारी नागी वनवळघां रो उमर वर्द र्वाटो नै-कांकरा नै मगळ मारग रो मरम गाळ नार्व । आव नैहो साव म्हार स्व' निश्रशं मिला महारे नेरे बाबी देग पर्गा-उमार्गो घटारी मधगामी गरीर यत देग कार रच नीपी उत्तर मगमनी मोपडी गीत पर्या ने मुस्दरी घरती स्त्रू ।

मेह र रहा दे

डर मत फालां स्यूं मत डर आव-आपां म्हारं गाडै सारं सड्क पर ऊमा हो'र एक फोटू खिचावां, म्हारी बरियान रो वारादरी म्हारं कच्छै रो हथामहल आपसां फोटू में आसी आपसां फोटू बमर होजासो।

п

धरती रा ला'डेसर

Ħ हैं की है रोई रो हैंग हों में हैं होगी गूळाँ हाळी चंबळियो में गारी टोग नीमही कोपड़ गुरुप रोजड़ी राग परती से बीज इस धरती रो जायो जनम्यो पराई पहली बढा' र भौद वंरुपियो बरा-इरा यापो विगरलो न्हार मानसं मान विनगरी मरागी है कुररत रो प्रेय पावश्चिमी मैं ब्रागंता त्वकागुरी गरत कीनी करी कोनी सौद भरती।

बा-घराी लाम्बी चोड़ी धरती बो-घराो गैरी जंगल ए-सोने बरएग घोरा फर-फर करती मन भावती ताजी हवा .ओ-खुलो बाकास ਕੜੇ हर मोसम रो मान हर मोसम नै म्हारी मनवारौं म्हे घरती रा लाडेसर आ-घरती म्हारी मां ई रा हरघा भरघा खेत खेतां में काम करता करसा बार मैनती सरीर स्यू टपकती वसीने री मोती वरसी वूंदां आं वू**ंदां स्**युं सिचीजनी गरबीजती धरती जीवतं जीवरा से सांची संजी री चितराम है। इरगीज घरती माथै ल्कमीचगाी रमता सुसिया

कंटारा टोळा जुमती जूस/१८

चोकडी भरता हिरिएाया

गायां मेंस्यांरी गोर तळावरी पाळ पर ताचता मोरिया "तिस्सी हैं-विस्सी हैं" टींटोही री टैर "करसा तूं -करमा तूं" तीतर री भारणी आगै-पासै हिल्ह्यां में टरराता धेदरिया भागो स्यावती भावजी इसकी सरावरा जोग जुण नै स्थान कोटी यंगलां में कगरिएये रू'गौरी जीसी महाहोगो । बार गाम होवती हुनम महामयु रहाती कोनी माली रा मेना हाथ मा हायां में कुण्यात कतरहार मत: वरा: रागि सी संगाने ए-र स सावते हायो गोद दिलगता-दरता कामा में क्लाराय देश होत ह्या रुवारामां भेता रुवाराम

और पासी देवसियों फरवारामें मोसमरी सागी मतवार कर्ठ सर्दे वं बातां जिस्की साँवशिये री लोर में हवारे हिंडोळे होळें-होळें मळकती-पळकती गरजती-गाजती निरती-फिरती आभै में कालोकाली रस री भरी वादळयां में। मानखो खोय मिनखपर्गो राखर्ग री कुचेप्टा करिएयां रै धड तो हो सकै परा-माथ री ठौड खाली है आरे हाथां री हथेळयां में अर पर्गा रो पगयळयाँ में कगता दीसै घरगा अरगता वाळ ।

मांयलो ग्रमुओ

भीगी भीगी मुस मुल सरोसै म्लायम मिनमाचारै नै वीट गरीमी भीड भरे संशं में वांग पोड़, अवहोधिया पत्तरी अर वंबळियां रे सामै रेगो पहली। किनमं हाळी पादर वर्ष ग्रातमो भाउना क भ्रत्वेत्र'र ग्रहीत्र'र रितराक दिन धानमी बांडर्रा रे कवर नारवी है मुलायम बहको दै गांने यो साग हो मी। भोगमें से भग्रा धक्ती कर भगोः बग'र पूटगी दारती मोतम मोदनं अपूर्व से रोग माम करण

कद आडो आयो कद आडो आसी। आरसी। देखणै री घारसी देखसी आंगणै री मूँडो मूँतसी आपरै आपै पर अण गिराती री तेडां बर तिड़क्योड़ी आरसी वरासी वगत रो मूँडे वोलतो इतिहास।

गुंग री घृन्ट

च्यार मेर रे रोटा है काठी सरीज, ध्रकीज'र गंगरो ्भावती असभावती एक/आद घँट गर्दे सर्वे उतार मीनी । गळै तळै उतर तां पाए गु गरी पंट आपरी आपी दिगावसो गरू कर्यो सत से मार्थ में भंवता (शौवळी वयू) भावाँ रा मनुद्धिया फेर्म कटला बन्द होग्या। मूंग रो बगर होता पाए निगर से गौउसे विदास करस स पाम कराक पुरा भागो जापही

काया में, उपजण लाग ग्या। गंग री गिलोयोडी माटी पर पाँवडा धरता पारा मानखैरा चितराम आपो आप उघडता जावै काया रे घर्ण माँयले पासै अदीठ गड़ गुमड़ां नै भौग-भौग 'र सरीसा कर नाखै। काया में ओपरा भगचाइजता वैगडा रोग अवं नहीं पौग रै। अडावै में अगाचाइजती घास अबै नई ऊगै। क्रंही ओवरी रै घरा डरावरी अंघारे स्यूं हरपीजतो मन गंग री उजास ले'र सें चन्नरा होसी बारलो मुलायाँ हो माँयली याद आवै वारले ने याद राख्यां माँयलो हाय स्यू जासी दोन्याँ में एक ही हाथ आसी।

जूमती जूए/२४

जंग मत्वां जाग

धान तो धान धान री धांग ने वक्ताी वक्तालियां आदमगोरा बाळरप कुमासस धेरिया पासतो-पासतौ पर्ग में पाल देवे घुरी पात लगावै जीवते शीशं ने भूषे हिंगक गो देगतो देगती गुर्रावनी मूहती ऑस्पों सामदरशा गरतो निवंदतो देवे गोवों या गोव । योजनी रंबे योगं में मोई परिस्ती हार्ष यो रेही परां में। (त्रं दश पार्टा) मृग-द्रम् म् करम से दिली

अमिट लोक मान'र लीकजीक चालिएयां रो सागो छोड ध्यान है वां मिनखमार मक्कारां कानी जिक्का धरम-करम रा भाग-भरम रा कुशल कारीगर है स्व-द्व रो बंदवारो से करसी न्यारो-स्यारी स्वारथ रा सागी वाप आपरे पाळे राजमी सुख-सुविधांवां रा अखट मंडार परार्व पाळै में पाळसी द्ख-दाळद री वाळदां । मासी मोत रा लाडेसर भूख स्यूँ बांधेंड़ो कदतांईं अवै तूं पाळा बदल ध्यावस त्याग कंग मत/जाग ।

जुमती जुगा/२६

धरती धकेल

fí द्वर के होगो घरती घकेल भोग ग्रही आदमी बाउँ म्हार स्युं मिलगा री तरकीय म्हारं साई' पूगमें से संयोको मीघी मी है। राती हो वागर्न पेडी बलावं पैज्ञानिक ब्रांचि पा वासते भाग भावस रा पारसी बर्ग पारा दुमाविया पेडची बदना यनी पारी पावडी ने मामित्या सीग पारं गानं होवं यान गोमो देख'र कार यहगी है

में बडो आदमी

मन्ने कंचो मुर्ए मोटो टीम

चश्मो इस्यो जिक में थे टीख सकी

बो थाने थारै हायां में राखगाो है

च्यारू मेर पेड़चां लगा'र छातो ताईं पूगणो है कान रे सरोदे ताईं

काम र चराद ताइ ऊंची आवस्मी है पर्सा- थे

कीड़ी सा सुरळाता चीड़ी ज्यू चुचाता भेड वकरियां ज्य

भेड वकरियां ज्यू मिमियाता

कोमल बागो में/कंवळ शब्दा स्यू धात करण री भूल मत करज्यो

घणासारा मिल मोकळा रोळा मचावो घणामिल'र मोटी

देह धारण करो क्ली सारी आवाजां ने मिला'र मोटो आवाज करो

पेड़चां लगा'र आपरो कद बढ़ाओ

जूभतो जूए/२८

भांपु लगा'र आपरी धावाज नै सी गुणी करो दमापिया सामै राजी पोट भी मन्ते ई या लागे-जागी मिलगो सोरो गर्ड यह री यही घोषाळ पर पाळावारी फतार धारी बोली री आवरी या ओवरी भागा से पार कह से पार काम से षारं मानसं री परम सो कर ही सेसी बर की जोगा हो सो भी षारी गुणी अलगुणी करमा रो देवो अधिकार सो ष्ट्रनम् अनुम स्तु म्हारी पानी ठायो है fent. में पारो है थे गरारा हो में पाने थे मार्थ आहो थे ही स्वाला घर में ही स्वालो होर्वे की काल कमर सी गोनो दारो घर दलाही

गुवाड़ रो जायो

गवाड रो जायो कींने वाप कै'र पूकारसी आंख्यां खोले थड़ी करी जियां कियां चालगारे चार्व गवाड ऊंधर घर स्यंसागी घर तांईं पगर्ग रा मारग पागडी रै पेचौ दाई घएगा घुमावदार है। मारग में बिडद बौचिशियाँ जरुचै जर्रेलाई तरता-फरत याद दिलावै आपरी, आपरे बाप रो आपरे जानदान री । पाँग है हो पाँग है से पेंडो कोसाँ लाम्बो कर नाखै। सौंच नै भुठ में बदलताँ कितरीक ताळ लाग्रे जलेबी भाँत गळयाँ री गंगै काला ने कूएासी समर्फ धिरै फिरै लाधै सागी ठौड

जुमती जुए/३०

होकड़ा उतार

सोरा गुगी वसण्या शेर षारी मोळी-मोळी गांगां में मार्ग जाएँ घोड्योड्रो होर्य केवड़ी अर गुलाव वळतो-बळती आ सूर्या में यारो मांयलो मोनम ठंडो टीप चानती रैवें ठंडी ठंडी हीन जाग्री पेट में कूलर फिट करायोड़ो होवे । बटोनं म्हारं पासं पसीने में न्हावती देह इस देही स्यू भट्टी नै लजावगा हाळी लाल लाल लपेटां आसै पासै घूंबी घुंबासी। आं सांगां में गरम-गरम भाग तो है पुरुवारा करें। मौयले पासे खदबदीजती हौंडी

कुरा जारों कद कुरा उघाडदी ईं री दक्सी। करदी लुवा ने चोफाळियाँ आव आपाँ आपर्ण मोसम री अटला बटली करी मित्र वर्गा। म्हार जिसे लोगों रो मांयलो अर वारलो मोसम एक सरीसी हीज होवे गरमी में गरम सरदी में ठंडी थों लोगों से मौयलो मोसम बारले मोसम स्यू मैल कोनी राखें थे इसा बास्ते गरमी में ठडे अर सरदी में गरम मोसम रा मोताज रैवोला छोड़ दोगलो पराो चेरा मत ओढ़। उतार यारा होकड़ा चालगो है, तो / होना म्हार साग्र ।

D

चौफेर

चौफेर च्यारू मेर ਕਠੀਜੈ वठीनै जर्ठ देखो वर्ठ žz टेंट ही टेंट । लोगड़ा टेंटी ज्योड़ा लागै। सुगी है मरकार कोई व्हाने ओल्है छानै आंरा टॅटवा दवाए लागरी है।

सीख

वाजो, वापां
वडा बादमी वस्तां
में पारा कपड़ा उतारं
पे म्हारा कपड़ा उतारं
में पारा कपड़ा उतारं
में पारा कपड़ा उतारं
में पारा कपड़ा उतारं
पे म्हारा कपड़ा उतारं
पे म्हारा कपड़ा उतारं
पे म्हारा कपड़ा उतारं
पे मले, तोचे उतार द्यो
हरोमत
वापाो देत
नागां रो देत है
एक नगोडो म्हारमा
नागा मिनव देवता।

Đ

टिल्लो

कुण जाएँ। कद कृश मिनसा जूए नै ऊंचली टेकरी स्यूं टिल्लो दियो । टिह्ये लागताई मानसो दही दाई गुड़तो-रुड़तो गुलेची गावतो आवतो जावै कपर क' नोचली ठौड परा जिक्को पगां पांस आपरी हिम्मत रै तांख मारग रे भाटा ठिंडां के भवभेडी खाय अहै, लहै, अटकै चाल पड़ै सामी सामनी करणानै ऊंचली ऊंचाई कानी जाय वैठ टेकरी री छाती माथै गीतां ने गुँजाराने अळगोजा बजारा नै । П

लोकराज

लोकराज तं गाज्यो घणो पण वरस्यो कोनी जद-कद वरसी लाय वरसी ओळा वरस्या रोला वरस्या अम मिणती रा बोळा वरस्या । लाम्बे-लाम्बे हाथां में लाम्बैन्त्राम्बै वाँसां पर मांसा छरडा वांध'र ऊंचे स्यूं ऊंचे किनखें ने अपर को अपर ही किरिगयों में उलकारिगयाँ ओर्छ मोर्छ बायनिये वचकानिये रै तो तसी हो हाय को आस दीनी बागौराफुल फुसका बराग्या काची क्र'पळ, अध खिली कळी कोई तरमें पात नै अर कोई तरसे फल नै । n

मोसमी क्कड़ा

दोलहो जोभ जेरीली सांस मार्थं में ग्यान री गूमड़ो पैरवां रे पोरां पर कमोड़ा मरू टिया मंस में अण्त कास में कुवाए। इसई गुएाक षड़ीज जड़ीज मिनस री मांदगी रो इलाज करिएयां वापां रै साथै रस्सै वस्सै । कदै कदास आसी पासी मोसमी क्रकड़ा बरा दिस रो बोध करावण खातर कुरही माथै गुरडा खोतरतां मेली कुचरतां घए।करीक बार इस्मी भांत जूरा पूरी करतां करतां टेम रो नेम भूल'र बांग दे नाखें सूँवीं सिङ्या, आधी रात पो फाटए। रो कुएासी वात ।

त्रुमती जूस/३७

थड़ी करो

जीसों रो अरघ वळनो नळनो है तो मोमबत्ती वरण अगरबत्ती ज्यूँ होमीज ज्या । पए। फिड़कले ज्ये अनमोल जीव रा पूरचा मत उडा जीव वलगां जीवती चामडी वळघां मुरड़ांद आसी जी मिचलासी । मुंज बळे परा बंट रै जासी जनम-जात स्वभाव स्यू लार नई छुटै। मिनख जुए। मिली है पग लेवो अर पापा चालगो सीखो गोदी कं उतरो, घडी करो लोगाँ राकांघा मत तको। पराई ऑगळी पकड'र जुमती जुए/ ३८

िकत्तोक दूर चालएो चायो श्रांगळी रे सरोदं चालिएयाँ दिसा भटकसी । धोराँ रो धूळ नरम पसरे, धिसक धिसकती पिसकती मार्च ने आजावे सी ।

भ्रो कुरा

ओ कुए।? आदमी है। आदमी-!- ? आदमी नई मिनख है। मिनख नई आदमी है। नई " ओ कवि है। ढ़ेंढ़ों अठ तो लाई वठ । देखें अठे तो सोचे बठे घर्ण लखसा रो लाडो है। सूएभे है ईं नै आगली पाछली सगळी दोसै । लारलै जनम ऊंलेर आगलै जनम ताई रो हिसाब किताब जाएँ। ओ परल पारली लोगां नै कपड़ा में नागा नागां नै कपड़ां में देख लं ओ पताळ फोड कुवां री षूमती जूए/४०

पताल रो पतो लगा लै क्षो आजासां *चर*ै इगारै आगं सिकरा सरमावै किरत्यां कीतंन करण लाग जावं सुरज स्यूं सोनो उगळावै चान्द स्यूं चांदी वरसावं ओ तावडे हियां रो पारसी में आंधी रो सेंधी तफाना नै तो सिंएयो मीठो सारी बोलिशायो आगे चाले पैल्यो बोले पांगळी दुनियां रा पग आंधी दुनियां री आंख गुंगी दूनियां री वासी को मुंदर भावां रो उपजाणियो घरती ने सुरग वर्णाणियो हिम्मत री खैस सगळां रो सैश परा "धरा करीक बार पतकड़ में कड़े पत्ती ज्यू खाय हवारा थपेडा कदै गळी क चळा में तो कदै रोई रू'खडां में चळतो फिरै दव घरती तळे जुरापूरो करैं इएरो माँस तो शाकाहारी ही खावे इएरो कंकाळ काळ में डोका चरतो फिरै।

त्रापैरी त्रपराास

लायां वरसां ह लाम्बै समव रो लाम्बी तांत पर पिनीज'र समें रे जूने नृवें चरसे कतीज'र क्रकड़ी अटेरएं चडी अर डोरो बस्ती। स्यासा । सुर्जावा सुकडियाँ नै सुळफाएरी चेप्टा में उळभाता चल्या गया। क्तकड़िया, इस्या उळह्या कै सिरो छुट ग्यो खीचड़ी इसी पकी कं गिठला पडग्या इकाई रो सिरो छुटग्यो सिरे स्पूंसिरी रूस ग्यो बाज ठौड़ ठौड़ सिर **उठायोड़ा** सिराही सिरा है ओं अरवां सिर्रापर अपैरी अपसास विसरीज गी समैं रो गोट

, जुमती जूख/ ४२



वा। पैलही जोही वै। लोग लुगाई समै री चाकी में दलीजता विसीजवा लूं है हाथां चूरमें ज्यूं चुरीजता जलमताः मरता पोदी आगली पोदी ऊं

जुडती याज म्है थे ये महै हो ग्या। तीन अरव साठ किरोड़ सत्तर लाख चौरासी हजार

च्यार सो बीसरी लाम्बी कतार अर इसा कतार रै परली पार सिरे पर ऊमा लोग दीसें कोनी घरों घरों बरती स्यू

यरसती जमती घळ धूळरी जमती पड़तां में दवीजतो आपै रो अपसास घं घळातो जावै। आव सिरं रे ई किनारे स्य सिरे रे धीं किनारे ताईं चाली

बोर्मा बतलावां मन माथो काम में ल्यावां अरवां रो ऑकड़ो छोड'र किरोड़ां री पंगत में आवां किरोड़ा स्यूं लाखां में लाखां स्वंह आरां में हजारांस्यूं सैंकड़ों में जूमती जूग/४४



म्रजै ज्रुभागो पड्सी

थारी सगती रो तोड म्हारै सोचर्ग विचारगी में सदा स्यू पांगरतो रयो है। थारी असलियत नै नागी कर'र नुक्कड़ पर नाख 'र तन्ने हांडी हत्ती करणी ही म्हारो करम अद घरम । यारा सोनै रा संप्रक्षोटिया थारी चांदी री चमचेडां अर थारे धापरे धवका ऊं म्हारी जुभती जुरा सदा स्यै लडती आई है लडती रैसी। याद है नीं...-म्है कमाया करता अर थै खाया करता खाता रिया-खाता रिया गुर-रावता रिया थारो गुर-रावसो तोरी चढ़ावसो थारी अकारण रूस ज्यावणी म्हारी मोत रो फरमान होया करतो ये मारत रिया, म्हे मरता रिया

जूमती जूए/४६



मुट्टी भर धान स्यूं नई विलमें मिनखपर्यं रो पोरेदार म्हारो बो टिड्डी दळ आज नई तो काल पारो खेत खासी, आपरो हक जतासी मिनख-मिनख में भेद मिटावण अर्ज क्रांति आसी।





तुं तो सड़कां माथे सूर्व धन्नो गायां घर में दूवे पल-पल माया कानी लूवे बूंटी रळगो म्हारे क्ववै म्हारा लाडला ।

धीरज-घन्ती रो जर वूर्फ इरारो काया आज अपूर्ज सीयाँ मरतो डोकर धूर्ज आँढ्याँ होर्व तो की सूर्फ म्हारा लाडला।

 \Box



ध्यान राख घात रो
फाड़ देवें दूध ओ तो
आदमी री जात रो
थोड़ो घराो मील करें
सामले रो लात रो
वाजरी रा सिट्टा कोनी
सांग लां रा फरा है। सुनै-सुनै.....

काचरो है- कातरो- रे

षोळी-घोळी वाता विच्चं
काळा - काळा तिल है ।
काळके री ठौड़ आरं
खाटू हाळी सिल है ।
सेगं हाली घरती मार्थ
सांपर्ला रा विल है ।
कोड़ो ने तो करण कोवी
हाथीड़ों ने मर्ण है ।
कामधेनु कोनी ईरा
खाली - खाली थर्ण है । सूनै-सूनै-....

भरूं टिया

आदमा रै आदमी ऋलंटिया मरै। चुंट लेवें चामड़ी चहंटिया मर्रे !! वींच तेवे बालड़ी मर्सेट्या चरें। म्हारै म्हारा बादनी कई दिवा करें ॥ स्मांन्डो नानको हो सान्त्री नहीं। बाबी-बाबी ब्रुंबळो में उनती दर्र ॥ कडड़े भू बाटसे अबुरही करें।। बानसे उद्धात बहुँ सकेस बहुँ स नाने देव राज गई रोनड्डा डर्ट ३ क्रवा रे देर समें अन वह अरे ७ होंचे चंत्र बाद निकी इत मई सर्र । बर्च गर्दे इस्ति में कृत्या करें॥ के रही देव किसी सेंदरी करें। यहें ने स्थान हिंसी केंद्र में हुई त क्षान्यक्ष राहे आस्मी प्रदेश विषये करें हुई पुरिमा हरें अ रबरेरे हुर द्युनो रेक् तो मरी। की गहाब है। इस रे ही अ रामक्ति रामा हुई भूत है वह । हैंगी रूपों शस्त्री के पुरिता करें औ गलो र रायह नहीं क्रिया करें ।

ताम भाम पा

तामकामता - तामकामता ।
सांची-सांची कंवां जद लागे डाम सा ॥
गिरतां-पड़तां-आखड़तां री
डुनियां किसी न्यारी है
पायोड़ा ने षिगार्श ही
पुरसस्य री क्यूं धारी है।
ऊंची हेली रेंबिएायां रा ऊंचा दाम सा
तामझामसा

पनिवाचारो लोरो - लोरो कुरासो ईर्न सीम सी सगी राँडां रोती रंसी पावराम तो जोम सी ताळ्यां रा तमासा देखी विना दाम सा ताळ्यां रा तमासा देखी विना दाम सा

माएसिया गटकार्व टावर गळियां में गरळावे है परजा तंतर आछो मंतर लांठोड़ा मरळावे है मिनखां ने मराविएयां में पारो नाम सा तामफामसा जुम्मती जुणापट फुट पायों रा फोड़ा,देखों गाँघों जी रैंदेस में सुख रा सपनां देख्यां राखों भरोसां रैंभेस में मंगतां री कत्तारां लाधे सरैं अप्म सा तामफ्रामसा ।

ओसर चुस्यां गार्वाख्यां तो ऊंदा-सूंदा गार्वेला मोको दियां डाकीड़ां ने डांगर ज्यूं गटकार्वेला लूटो खोसो खावो किसी रोक थाम सा

सूने-सूने चेरा मार्थ कना-कना आखर है माटो मूंडे बोलएा लागी सामी छाती टाकर है बत्तीसी दिखाविएयाँ में कहुँ राम सा

म्हारा नेता भूठा झाँसा देखो आंरो काम है पापी-पंखा-जीवन लेखा लेखें में बदनाम है लोगों ने वखाखो आंरो पैलो काम सा तामझामसा।

जुमती जूए/४७

आया जिनका अम्मर कोनी जाम्या जिनका जावैला आकासौ में उडिएायौ तो घरती माथे आवैला ऑसुड़ा इळकावे देखो सुद्खी राम सा

घर घोस्याँ रा वळसो पर्ग के अंदरिया मुख पावेला औं लखराँ रा लाडा वातू मट्टा गोळी खावेला चमचा चमची करसी औरा चक्का जाम सा तामकामसा।

बैठी बैठी बोली यूं

एक कमेड़ी टूटी मेड़ी
वैठी आळे विचयां नेड़ी
वैठी वैठी वोली मूं
मनरी चादर मैली क्यों ?
वासी वाली रो फुलवारी
आक बबूळा क्यारी क्यारी
साभी पोड़ा वारी म्हारी

चुबसीं कांटा । वोवें क्यूं होसी पोड़ा । रोवें क्यूं

छान भूंपड़ीं रो रखवाळी काळ वैठ प्यो डाळी डाळी लाड लडाया मौत रखाळी

> आ-अए। होएी होवे क्यूं। लोरी देतों रोवे क्यूं।

सूर्न पएरी साँस सुस्पी जें लागी फांस रो दरद गुस्पी जैं भळं उद्यड़ जा सदा बुस्पी जैं

राख री रोटी पोर्व क्यूं जग जागे तूं सोर्व क्यूं

m

हम्मै कैवो किर किर माई

गाय व्याई वाच्छी त्याई चोळे रग रो आच्छी त्याई दूध मळाई जीमो भाई खीर पकाई सगळां खाई सगळां खा'र सराई भाई हम्मं कंवी किर किर आई राम दहाई। राम दहाई।

आजादो री आंघी आई काळो पीळो मोसम लाई दुखडो दूर भगावएा आई जीवएा सार बतावरा आई मिटं गरोवी सुएा त्यो भाई चेती भूख घर्गी रे भाई हम्मे केवो किर किर आई । राम दुहाई। राम दुहाई॥

नावरण लाग्या लोग लुगाई भाई ला'र भतीजां लाई ठंडे ठार नतीजां लाई म्हारे हाथ कदै नई आई युक्तो युख/६० चमचा चमची सगळां खाई रोवं दूजा लोग लुगाई आफ़्त आगी विना बुलाई हमें केवो किर किस आई। राम दहाई। राम दहाई।।

मिनला जूए सरए में आवें
वीरो वेड़ो पार लगायें
करें चूरमा लोर पकावें
घर वैठ्या वे मोज मनावें
आक में आम घएग उपजावें
विना बादळी में यरसावें
मूठें मांसा पेट भरावें
पार्य भूख भूखो मिट जावें
घाया थारी छाछ राबड़ी
कुतां लार छुडा म्हारी माई।

राम दुहाई। राम दुहाई।।

सुल् सुल्यो

ţ

मुळ मुळियो पड्ग्यो म्हारा वापू घरके मुठ्ठी धान में मिनखज्रा जद घास चरैली रेत रळेली मान में ॥ हलगी नोवां थारै घर रो योय वापरी ठोड़ा ठोड़ पड़े कांगरा घरती माथै काची कूंपळ तोड मरोड असा चाइजती घास ऊगसी घुशियो लाग्यो घान में ॥ घान धिए।पो पड्ग्यो पासै धींगा मस्ती छाई है। मिनख मिनख रो वैरी वर्णग्यो वाछी आफत वाई है। मिनल मोत रो बाट तक जद माटी पड़सी मान में ॥ ज्य सतरंगी शतरंत्र माथै म्हे विद्ययोड़ा मोरा हाँ नाल चालएी कोनी आवं पएग मना में दोश हो

६२/तुमको बुए

पंदल मात अनाड़ी हाथां
रेत रळंनी श्यान में ॥
फिरं टसकता भूखां मरता
माटी हाळा जीवरे
जोवन विकतो फिरं बजारां
मिनख पएँ री सींव रे .
"लाजां" लाज मरं जिस्स घरती
माटी पड़सी मान में ॥

बाड़ खेत नै खावै हैं

म्हे ऑख्यां देखी लोगो रे आ बाड खेत ने खाबे है काचरियाँ कंवळा कंवळा तै टोंडसडी अर फोफलियाँ ने ॥ अस छोल्या ही गट कार्व है। आ/तूंत काळ ने ल्याने है ॥ तिल तार करें कोनी अठठें वेलां में कक् पड़ी बठ्ठे काचरिया किचर किचर मर स्था सिद्धी री नाड कटे अठठें आ-मोर बाजरी फलियाँ नै चुगयोडा भाँवे अळियां ने आ~सगळा ने गटकावे है बा-नूत काळ ने स्याव है।। ए मोटे मार्थ रा मतोर मोर्ट नैएां में भर्यां नीर कंवळे गातां में सूळ सूळ घिरकार जनम से घूळ घूळ छोटे मोटे रो आसा कठे टके घड़ी से विके अठै

जुमती जुरा/६४

आ-सगलां ने गट कावे है आ-तूंत काल ने ल्यावे है ॥

ए डर्या बापड़ा तूंतड़िया चींचाट करो बर आपड़िया डोकांरो डोळ डांखळां रो उड आय वाड़में जा पड़िया आ—वेतां बेत डकारे है आ—जीव जलमता मारे है आ—सूतां ने मटकावं है आ—मूत काळ ने ल्यावे है म्हे आंच्या देखी लोगो रे आ—वाड़ बेत ने खावे है ।

म्मन्तस उठ बोल्यो

पागल, नीच, दुष्ट अर पापी न्युं दिन घोळे कर लेवे घाडो ? माएस रो अन्तस उठ वोल्यी---इस काया रो भोजन भाडो । मिनखां री टोळी री टोळी आज फिरै वा बळखाती बिना तार तम्बर री हालत ना छुपी रैवे साधी सख रो सपनो जीवन में देखरा री करें घरगी आसा जीवन-रूपो चोपड़ उलटी उलट गया सनका पासा मात-पिता क्यूं सोस भुका दे-टावरिया जद कर लेवे आहो माणस रो अन्तस उठ बोल्यो इस काया रो भीजन भाडो। जद-खेत पर्क दुख-दाखा रा

मिनलां री स्थान गमावरा ने पग पड़े पाँगळा घरती पर

जूमती जुए।६६

पुरखां री लाज बचावरा ने ऑब्यां स्यूं ढ़ळता ऑसूड़ा क्यूं मन में आग लगा जावें वर्ण प्रशी भीख री रोटी रो माएस क्यूं दाग लगा जावें खावएा में दाखां घर्णी भली परण माएस दिन पर दिन माड़ो।

पागल, नीच, दुष्ट अर पापी क्यूं दिन घोळे कर लेवे घाड़ी माएास रो अन्तस उठ बोल्पो इएा काया रो भोजय भाड़ो।

4

सप्यमपाट

आरे म्हारा वेली सप्पम-पाट मैं तन्ने चार्टुतूं मन्त्रे चाट बी दिन री में जोऊ बाट दिन उगसी बीतैनो रात छपने सिरसो समय बितावां ठाठ-वाट रा ढोंग रचावां गुरा आजादी दा लुळ-लुळ विना तेल महे दियो जगावां अधियारे ने मार भगावां म्हे म्हारै दिवले री जीत जगावां वीं दिन री मैं जोऊं बाट तेल ना वाती थारी हाट। आजादी रा आक चवावां सारे ने मोठो कर खावां छाज चालगो मां रळकावां अण चुनियो अळियो ही खावां काबा कासी भाज'र जावां कदरो ऊभो जोऊं वाट कद फुटैली थारी माट वीं दिन री मैं जोऊ बाट।

जूमती जूए/६८

इस जीवन में सुख-दुख आंटा एक में फूलड़ा दुजे कांटा सूख सावए। रा कदै ना छांटा पग-पग कांटा. घर-घर फांटा वेल तरसगी सरवर घाट । सुए। म्हारा वेली सप्पम-पाट ॥ पोड़ा पळो सुखां रं लारे सुख पळसी पोड़ा रै पाए। मन मत मार मरै लो जोवन जावेली अब थारी कारा कठे आजदी- कद वा लाघी छोड पुराणी वाण कुबाण वात दूकगी हासो-हास वीं दिन री में जोऊ वाट । दिन उग्रसी बीतैली रात

बोज बाँभाड़ो

नित/मरे/अर्ड/जलमे कोनी रे-बीज बांभड़ो रेवैलो ओ-पीड़ अणुती देवैलो ।।

इसा भीड़ भरी घरती माथै माथै स्युं माथा भिडयोडा ए छोटोड़ा ए मोटोडा सगळा रा सगळा अडयोड़ा लागे ज्यूं माही मेळी में नागौरी वैल भिडकयोडा ॥ कुए। जाएँ किन्नै आवे है जद देखो आवे जावे है देसींग घरा पर देमारे जै पोनोड़ो कन्नै आवै ॥ घएगा घूमता दी से परण तोल्यां स्यूं हळका पड़ जासी वातां पर वातौ मारिएाया बोल्यां स्यूं पतळा पड़ जासी ए-मिनख रूप ने लाजिएाया अ।पंस्यं आगे भाजिए।या

प-वम-बास्त वसावस्थिया ए-वम-बास्त वसावस्थिया ए-चंद्र लोक में बावस्थिया कद-मशु पर्से स्त्रू' लाजेला कद-मिनख रूप में साजेला ॥

ग्राजादी

कुण पाने मिनल बतावे लो । कुण पाने लाड लडावे लो ॥

ये गिरता पड़ता आखड़ता निठ नैड़े सी आ लाम्या हो। "खाल्पो पोल्पो मोज करो" नै लेकर थे वर्षु भाग्या हो।।

पनुषां रो आद्यो पनुपराो कद पशुपरां ने लाजे हैं । मिनख, मिनख रो द्धोड मिनख, तो मिनखपरां स्थंभाजे हैं।।

हो पीरज रा थे घरो घरा। परा यारे दुझ ने क्रूरा हरें। अड़ो, लड़ो जुमो दुस स्पूं जुरा कायर पोरो नाम घरें॥

मूरज रो लेड पड़े फीको बायर यो सोग मनावे लो । आस मीच ले ऑन्च जर्ठ वो हाय - हाय ने खायेसो ॥

पूमको पूरा]ः

दिन घोळे घाड़ मानवी री धन - मान लूटर्एं में लागी।

सै-फाळ चूकग्या दोसै है म्हे देखरया भागा भागी॥

मत घोळ फूलिया बर्णो धर्णा घोळं पर दाग घणो आर्व। कद मेल कटै मन मैलां रो

सावण में भाग घणो आवै ॥

थामो, तो धमसी' जावे है।।

कुरवानो रो बिलदानां रो कुएा मोल चुकाएो चार्व है। आयो है घिरतो बायर यो

> वाळक सो भोळे टावर सी आजाद देस री आजादो आ सोरी सी कोनो ल्हाघी॥

> > \Box

दुख री लामी दूरा

फळसैं कभी हुए। यचाओ म्हारा बीरा रे दुस री लागी दूरा वचाओ म्हारा बीरा रे स्परे क्रेयां जुस बताओ म्हारा वीरा रै॥ धरम करम री पोय्यां बांचत बीत गया जुग चार मैनत नै मुळहातां देखी इए। रारंग हजार धे समैं सारू भूए घुमाओ म्हारा बीरा रे सायोड़ां रा सूरा मनावो म्हारा बीरा रे॥ भूषड्ल्यां री रात वीतसी पूरव होती ताल देन पर्वोनों दाळद दौड़े बाज नई तो काल पारं पर री बदर्ळ रूप- कमाओ न्हारा वीरा रे

सुघरं थांरी जूण- कमाओ म्हारा वीरा रे ॥

कुचमादी काचिस्य गुए रा गुए हीएग नर - नार लट-कातर सो करएगे हाळा जीवैला दिन चार आँरी वेगी आवे हूए- वताओ म्हारा वीरा रे रोक्ने अठ्ठे कुए- वताओ म्हारा वीरा रे

मिनख मिनख री वातौ न्यारी
एक मिनख रो मोल
प्यार प्रेम स्यू बोलिएयां नं
लेवां हीरा तोल
यारं मुख रो लागे दूए— बताओ
म्हारा बीदा रे
मुधरं थांरी जूए— कमाओ
म्हारा बीदा रे।

घमलै रा फूल

बो-पमलं रा फूल' फूल' तूं मत कर इतरी भूल आज नै आज सिवर जै-रे अधोरा धोरज घर जै~रे॥ मे आंधी रा नाय धर्पड़ा जुवा लाय तपी देही भंवर' भतूळा फिरै भटकता मान हाए। ना तज देई तुं शोश रो सोदो कर जै-रे वुं लिपळो स्युंमत डर जै⊶रे॥ चार चौ फैरी घणा रूंखडा नुए कुए सार करें वांरी पासी पोस पळां लदियोसा जगती बात करें वांरी तुं पळ दे वात विसर जं-रे नुं काळी रात विसर बैन्दे ॥ पल दो पत रो जुए जेवड़ो भए विएती स बांटा है फ़्त फ़्त रे आवं पासं

छोटा मोटा कांटा है त्रं अमर रा आखर भए। जै-रे तूं कांटां स्यूंना डर जं-रे वरगद हाळी छांव सरपणी काची क्रंपळ ने उसले इसे रूंखडां रो रूंगस ने खेल खेल में तूंलख लैं तं आंरो साथ विसर जै-रे तूं वरण वरण लाय पसर जै-रे॥ मा धरती रा सुमन लाडला जोगी जाग जुगत कर लै सांप सळीटा अजगर ढ़ीठा पकड़ मूंड की वस कस लैं तूं बिसरा गुटका पी जै-रे-आ-काया आप रसी जै-रे ओ घम लैराफूल'फुल तूं मतकर इतरी भूल आज नै आज सिंबर जै-रे अधीरा धीरज घर जै-रे ॥

सांवर्येरी सारंगी

मांवरवेरी मारगी तं सत रंगी तं बदरंगी करें तो बार्ज पांव पेंजसी कठैतं लाघै अप नंगी ॥ सर साध्यां सुध सर्घ साध्यी मुख रो सावण सरसे लो मिनस्य मानस्य मोती निपर्ज रिमिक्तम मेहली वरसे लो क्रमां राज जिलेला फोली मिनस जुल रो है तंगी-सांवरवेरी सारंगी पा-पा-पगल्यां घर कुंचां मुळकाय वैठगी महलां में लै चुक बचक बलाप लियां मल्हारा गाती ताना में कठे विलयते आंगरिगवे पध बसी छवीनी छाना में करें तो रोटी राग शेवसी राग दूट गी ताना में। रठे वूँ बोई साल द्वाला कड़े नान्तापे इक-अंशो-सांबरपेरी सारंगी ॥ 🗈

दुनजो पूर्ण/३३

रब राखें सो रैसो राम

रव राखें सो रैसो शम चिड़ो चिड़ी जद चूंच खोलसी मन मांली तो कैसी राम रव राखें सो रैसी राम ॥ सूखे तरवर एक डाळ पर सरवर सूखें सूनी पाळ पर विलखे विचया ध्यान काळ पर खेवण हारो बेसी राम ॥ पापी पल रै पाप कार सी सदियां सोग मनावैली रे जूरा अकारय जावे ली? म्हारै गीत री गीता गंजे मैं केस्यूं से सुरा सी राम ॥ मानव मन इतिहास परख आ-वात हाय स्यूं जवेली रे चिड़ी वान नै खावै लो म्हारे गीत-गुंज रे साथे में केस्यू से सुएासी राम ॥ वाट बिसर ग्यो एक वटी ही

जुभती जुए।७६

आपरे खेत री डांडी सोई पुरती पाळी सा ग्यो कोई में केस्यू कुए सें'सी राम ॥ मन में गैरी एक ठीर पर एक मोरियो नाचं डोर पर आसर मन्ड ग्या ठीर ठोर पर बो-देसी-नूं सेसी राम ॥

П

जोस्यूं लख मनेक

जीव-जीव तो एक जीव ने जोस्यू लख अनेक जीव तन्ने जीसो पड़सो रे काया थारी लीर - लीर तन्ने सीसो पडसी रे॥

अंडो आंच तपी काया ने सूंगी हाट विकासो है इसरी विखरी इस बसती रो कुससो ठोड़ ठिकासो है कुस आंके लो मोल तोल थारो हीसो पड़सी रे॥

तुम्बा-बेल फळी घरती पर बार घोळ दी बेतां में थोर घरपदी पग डांडो पर भरम घुळं तो हेतां में और हवा में जैर घोळ तन्ने पीसो पडसी रे॥ हीणो हाण जलम दुखियारो पास वर्णे अर लोग चरे जीखो जिसरें हाथ नई बस जलम एक सो वार मरें गंकर अर मुकरात वण्यां विप पीसो पड़सी रे जीव तन्ने जीसो पड़सी रे ॥

0

नूवां ग्ररथ

हुन्ता श्रीप्त भौत देख अराजारा ताकडी इतरो राखें कारा जीभ री उतरी-उतरो पारा मिनख रे पेट पळं कुवारा हिंवड़ें पनपें हेत मिनल मन जोयो कोनो रे मनरो गरव गुमान मानला घोयो कोनो रे भान तम्में होयो कोनी रे 11

बोर्ल वोल अजाएा झान रा टुकड़ा जोड़ मती जूनी जाएा पिछाएा दरद रो धीरज तोड़ मती भाग, भरम, भगवान

भाग, भरम, भगवान पुरासी थारी बासा कुबास

विगड़ग्यो विरमा जो रो घाए। भान तन्ने होयो कोनी रे मिनखपर्ए रोबोज घरा पर बोयो कोनी रे ।।

मिनखपर्ए रो बोज घरा पर बोबो कोनो रे बोदी जूए जुगां भुगत्योड़ी बासो बोल विसरएा है ना घरती रो बोज बांभड़ो नूंबां अरथ निसरएा है

षुभती जूस/८२

हाट हिंदै रो स्रोल अंग्ग्तो विपदार्वा मत तोल दरद ने दे संजोरा बील मिनस-मन घोयो कोनी रे हिंदढे पनपै हेत मिनश्र-मन जोयो कोनी रे

आ रूंबो पर पांच पंछेल जुग्ळावें ना गुरळावें भोतर मार भरोबां दीनी चिरळावें ना गरळावें मिनल नास दे हासा लोप में जुससी फूँके प्रास्त वगत ने भोग्यां आवे तासा

स्यान तन्ने होयो कोनो रे हियड़े पनपे हेत मिनस-मन जोयो कोनो रे ॥

Ε

जीमो बेटा रात ग्रंधारी

मार्ग रें व्या में मां पुरसारी दोन्यूं हाथी में पंचधारो पुरसरण हारी माऊ थारी जीमो बेटा रात अंधारी ॥

रात अघारी काळी - काळी थेहो मालिक थे ही माळी छांगो डाळा तोड़ो डाळी सुतो दोसै वाग रो माळी

घर सूनो कुए। करें रुखाळी चुगल्यो फुलड़ा तोड़ो डाळी सगळा साळा सगळी साळी कुएसो देवे यांने गाली

> दे दे सीख सदा में हारी जीमो वेटा रात अंघारी ॥

लारं हाळी बात विसासे सूँगो माया समळी पारी फुए बाएँ कद आवं बारो भाड़ो, पूँछो कर बुबारो हम्में जोमो पारी वारो पाळी पुरस दो न्यारी-न्यारो

> देदेसील सदा मैं हारी जोमो बेटा रात अंघारी॥

मन रो मान सरोवर

मन रै मान सरोवर मांही वैठ्यो हंसी पांख पसाय मोती चुगस्यां इमरत पो स्यां इस आसा नै मन में धार ॥ विगत विमारी अवरी मारो वात च्यान ले आयो यार नाव न्याय री दूबरा लागो मिनस जुए। स्यूं लोप्यो प्याद छोटी छोटो मच्छल्यां लारं मोटा मोटा माणसमार अरं बचात्वो अरं बचात्वो षारो महारो भेद विसार नाव इवियां से इबांला द्वां ला महै काळी धार सब सर्च कद घरा घिराणी इस री माया अवरम पार ॥

0

मन-अङ्हो

विषयं किस्से स्टें कर् वैसं दूसे हुन्ह हुए क्ल-क्ना कड़ के हंजर अनी नद राज्ये रोक्त कर गर गर व नन रहनी है सह स्मेर ने हा देवें होड हरत से हद दिनकों पहल कर के सई-दे मन गरला वै उन इन्स्ट्रा है किन्ति स्वे स्वा बाउं बाउं बळोडं द रिक्षे रिक्षे इक उठे वांवित्र है होड़ करेनी ^{कील्प} देशों कुक उठे स्तरमञ्जू का समापन किन्सी सर्वे दूर भें के काळिने हें कोंज रोकि 🌃 बिने हेन्छ में की मी नामें

भोर सरीसो एक नलाम मनगरणावैतनसरणावै स्रोत समीरो गावै लूर॥

अघ मुंदियोड़ा नैएए-नैण
अ-वेरी है या सेएए
छेन स्यूं मन विलमावं-रे
हेत रा हाथ रचा वं-रे
मन गरएा वे तन सरएावं
सांस समीरो गार्व लूष
तिरयां मिरयां भरो सळाई
लेरां पूगो दूरम दूर
जळ में कए। कए। होवए। लागी
मद मातो जोवन भरपूर।

 \Box

कामर्गी

पग में पेंजिएायां-छएकाती सीर्एं पूंजिंदयं-मुळकाती पळका बीजळ सा-वरसाती गजवए हिवड़े में-हर खाती आवं-कामएगी-कामएगी- ॥

मुरमो नैएा में रमातो चुड़लो चांदी सो चमकाती लालां पळकं सामी छाती हिवड़े दूराो जोत जगाती आर्य-कामसी-कामसी-॥

मोती नथ लो रो बतळातां सूवी बैठ्यो कंबळे पातां क्तूमर फ्रीएां फरका मार्र मुळकं दाड़म बीज पसारं आवं-कामणी-कामणी ॥

नेए। इमरितयो वरसाती सांसां सौरिभयो विखराती माथै चन्दो सो चमकाती वैसी सरपस सी बळखाती बाबै-कामसी-कामसी मार्थ चूंदड्ली सतरंगी
मीठी आमलियां वस अंगी
लाग्न जगती सां बदरंगी
चून्दड़ मार्थ रंग विरंगी
आर्व कामसी ।

लालां - गालां गीत पसारै किएाने छोडे किएाने मारे नथली विदली बात विचारे जुलमी जोवन किएाने घारे आवे कामएा - कामएी 11

घोमा - घोमा पगल्या घरती नैछा - वैछा सेना करती कूँ कूँ पगल्यां सूं विखराती करती चाले घरती राती आवै कामछी - कामछी ।।

सोळी - सोळी पुरवा चालै मत ना छेड़ो पल-पल पालै रूस्या साथीड़ा मनालै घूमर घालै चंग वजाले।। आवे कामएा - कामएो।।

अठ्ठे गौरां घूमर घालें, ईसर आगे लारे चाले । आने कुए। वरजे कुए। पाले तिरछं नेए।। नृतो घाले

> आर्व कामणो - कामणो ॥ □

हुक री कुक

नेशा रो नीर ढ़ळघो ढ़ळतो में यसर गयो पलको पासै कुशा वींने वूफे मनड़े माली नैशा रूठियां जग हांसै ।।

भिक्षमिल-भिक्षमिल पळके पलको ढुळके मोतो रो सिख्गार आस पडोसी भीजरा लाग्या हुक री क्षक वढी पिगनार कुख थारी गागर ठेस लगाई कुख थारी गुजेलो पुनकार किस्प्विद नीर ढुळचो ढूळतो में विवार गयो पलको पासे......

प्रीत पावली हिमें हिलोरी
पींगां भर-भर हैत रचे
मेंदी सिरसा लाल मान्डला
कोरं मन में रचे वसे
जद-कद पिथळं मन रो मोती
नेला नोर वर्ल विखरे
इलाबिद नोर इळ्यो इळती में
बिखर गयो पलकां पासे.....

रूड़ो रूप उतर नेसा में
नेह-री नींव लगा लीनी
मीठी सांस सुवास वसी वीं
हिवड़े हाट सजा लीनी
कुण म्हारे हिवड़े री हाट उजाड़ो
कुस वी में लाय लगा दोनी
इसाविद नीर दळ्यी दळती में
पसर गयी पलका पासै
कुस वीं ने बुकै मनई माली
नेसा रूठियां जग होसी ॥

कसुम्बा

उडजा' क्सूम्बा काळा काग संवाहं थारी पौखडली में तो जोऊं रे जुलमीड़ा धारी वाट वैरागरा वासी जोय रई ॥ भरभर रोवं नार साँवळी पिवजी ने दोजे वताय विना घरगी रै घण है सूनी सैजी नाई सुवाय भावै नई म्हानै नींदड्ली रे॥ दौड़ कसुम्बा सुणा संदेसो पिवजी रै आवण रो कद आवैला कद ल्यावैला म्हारी पायलडी वावै नई म्हानै नींदड़ली रे॥ तीज सुहाणीं आई रे साजना रत आई फळ होय विना सार चम्पै रो डाळी किणविद ताजी होय देवे रे ताना साथडली रै।।

काग उडाया सुगन मनाया काज सर्यो नई राज लाड-जडाविणयां घर आवो रस भीजूं सारी रात यारी मीठी लागे वातड़लो रे उड़जा कसूम्या काळा काग संवाह्नं यारी पौंसड़ली ॥

सौरठा

आळस पर असवार काळ कोसां पुगराो कायर हाथ कटार पाणी लाजै सादिया ॥ मोया मिलै हजार माया मिलसी भाळियां विकसो हाट वजार कोडो सट्टे सादिया ॥ मंद्री ऊपर मंछ मरदानी वातां करें लारे बोछी पुंछ वलव बर्छरी सादिया ।। सतज्य री है देश जीवन जळ रो पीवणो लूं ठै घर रो सैएा घरा। अरोगे सादिया ॥

मांदा पड़सी लोग श्रीसद घर में होवता जीवन जळ रो भोग ! रोग ! रैवै नईं सादिया ॥ वीजो वात विचार वेतां पनच्यो कातरो जीवन जळ री घार वेगो रळसी रेत में ॥

भाग्यां छूटै लार बिन भाग्यां पूर्ग नई मोड़ो करसी मार पूग्यां सरसी सादिया ॥

भाग्या तता तोड़ चाल्या कोनी एक उग अएगिएती रा मोड़ इएा जीवन में सादिया ॥

अर्णजार्गी सी ठौड़ चालां अळगा आंतरा वसती होगी खोड़ मिनस मिलेनी सादिया 11

मत कर जागा पिछागा इग्ग स्यूं पीड़ा ऊपर्ज जाग्गीकर अगुजागा सोरी कटसी सादिया ॥

आम्ये हाळी ठौड़ ऊप्या क्यूं अकडोडिया वसती होगी खोड़ अड़वा होग्या आदमी ॥

जूभती जूए/१६

कुवै धममो भूए। मोसम लेसी माजनो सांभर में सो लूए। पाएगी चार्ह्या टा पड़ै।।

कोमत करसी क्रूएा अवगुरा सामा आवियाँ गुरा होसी सी जूस दीवळ खायै ठूंठ री ॥

अग्राचायजतो जीव क्यूं जलमें क्यूं पांगरे दुख दाळद ने पीव पोचो पडसी जीवडा ॥

ज्ञानी सुगसी गीत साजन सुगासी सोरठा हिवड़े पनपे प्रीत वैरी पढसी मरसिया ॥

चम्बेड़ी रो राज नाक वचाणी आपरी कठ्ठै जावौ भाज उल्लु ताक्षे ऊंदरा ॥

मुक्तक

घड रो मोल सोस विन कोनी सौंस विना घड़ घूळ समान प्रोत विना सा-दुनियां सूनी मीत बिना जग सूळ समान॥

घड़ां मोकळो मिलसी न्यारा माया मोल मिलै है मिनख टर्क रा च्यार अठे तो भूकते तोल मिले है ॥

> करण रो रिसती समपूरण स्यूं समपूरण रो करण स्यूं है। मण रो रिसती एक सेर स्यूं एक सेर रो मण स्यूं है।

सामो गोधो गळी साँकड़ी लारे मुड़ियाँ मान घटे पकड़ सींगड़ा द्यो फटकारो पाछ प्गलियाँ चाल पड़े ॥

जूभती जूए/ ६०

तन रो पूर पातळो पड़ियाँ कठं लागसी कारी रं भीठं मूंडे खारा गुटका मन में तेज कटारी रे॥

अरे सूरड़ो सेर जलमसो मकड़ो ल्यासी भेली बाळू ने भी पींच - पींच कर तेल काड़सी तेली ॥

न्सं थोर

भरोसो भाज्यां मिनख री जूए लाजें। देखतां भाळतां मानखो ईयां मृळसी इँयां मिनख रे हाथां मिनखपणी कदताई' रुळसी कदताई विसवासां में विष घळसी बमा तो सरी आ सांच है या सपने में सपनो । घाई घोत्यां भूखी सूथएां अब नागो नेकरां रे हाथां भरोसो भाटाऊं तुलसो । काळी-पोळो कोड़घां रा नाळ रा नाळ उकळते तेल में तळीजता देख समूची पोढ़ी रो आंख्यो रा डोरा होग्या है राता लाल। ताते तवै पर सिकती तीखं ताकळ पोयोडी मीठं गुलगुलं सो जूएा ठौड़ ठौड़ पसरघोड़ कीशे नगर सी पळगोडां रै पगां तळे रोजीना किचरीजतो देख म्हारे नंवां रो नंधोर पाछी पांगरी।

П





